## **Using local resources: Upper Primary Maths**

## **English (with Hindi)**

## Commentary:

In this upper primary maths class, a teacher uses resources imaginatively to supplement the textbook.

After reviewing his students' knowledge of angles, he divides them into groups and asks them to find examples of naturally occurring angles outside their classroom.

One group is looking for right angles while other groups search for acute or obtuse angles.

Student 1: देखो टावर पे जो ऐसे हैं ना, वो न्यूनकोण बना रहा है ना।

Student 2: यहाँ पे ये ऐसे आया है,ये समकोण हुआ।

Student 3: ये वाला है, इसका ये, रिम, रिम, रिम साइकिल का रिम, साइकिल का रिम लिखो

Student 1: नहीं साइकिल का चक्का

Student 3: चक्का नहीं, चक्का तो गोल होता है। रिम, रिम।

Student 4: वो भी बन सकता है, आम की डाली। है ना? हाँ। ये अभी भी बन है सामने वाला डाली।

Commentary:

As well as enabling students to discover things for themselves, the outdoors can provide a welcome change of environment.

Student: अधिककोण हमे बनाना है ना, हम लोग को अधिककोण

Teacher: समय समाप्त हो रहा है।

Commentary:

One member of each group feeds back to the teacher.

Teacher: समृह संख्या सी के प्रतिभागी, कोई एक प्रतिभागी खड़े हो जाएँगे।

Commentary:

The teacher asks a student to explain the acute angles she has seen.

Teacher: न्यूनकोण से जुड़ी हुई जो भी वस्तुएँ, आपने क्या-क्या नाम लिखा?

Student 1: साइकिल का रिम

Teacher: साइकिल का रिम, बीच वाला हिस्सा, साइकिल का रिम या साइकिल का फौक।

Student 1: साइकिल का रिम।

Teacher: रिम तो गोल होता है।

Student 1: गोल में जो रहता है ऐसे ऐसे होता है न

Teacher: स्पोक

Student: स्पोक

Teacher: अच्छा, ठीक है, और आगे,

Student 1: टावर।

Teacher: मोबाइल का टावर तो सीधा लंबा होता है।

Student 1: लंबा तो है पर सर उसमें लकीर बीच में बहुत है

Teacher: अच्छा, बीच में जो रौड जोइन किया हुआ

Commentary:

After reviewing your students' knowledge with a practical activity, what would you plan to

extend their learning?